1 प्रकृति की सीख

कविता

पाठ चर्चा : प्रकृति ईश्वर की अद्‌भुत रचना है। वह हमें बहुत कुछ सिखाती है। हमें कुछ समझाती है। लेकिन एक हम हैं कि उसकी मूक (सांकेतिक) भाषा को समझकर भी नासमझ बने रहते हैं। आओ, कविता पढ़कर जानें कि वह हमें क्या सिखाती और समझाती है....।

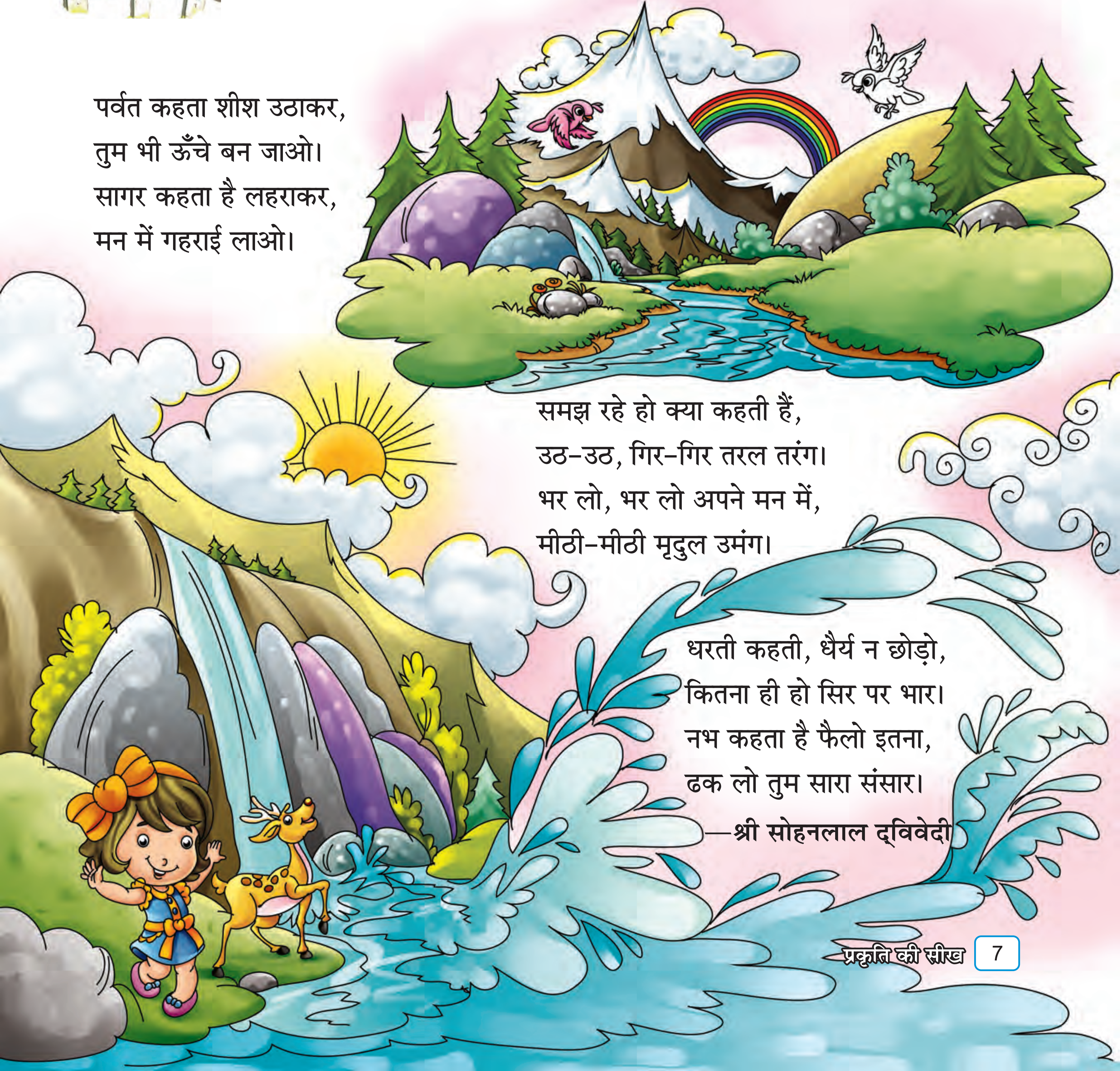

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती हैं,
उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने मन में,
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

धरती कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

—श्री सोहनलाल द्विवेदी

शब्दार्थ

पर्वत — पहाड़; **शीश** — सिर; **सागर** — समुद्र; **तरंग** — लहर; **मृदुल** — कोमल; **धैर्य** — धीरज; **भार** — वजन; **नभ** — आकाश; **संसार** — दुनिया

श्रुतलेख : पर्वत लहराकर तरंग मृदुल धैर्य संसार

अभ्यास

मौखिक कार्य........

❖ **उत्तर बताओ :**

क. सागर लहराकर क्या कहता है?

ख. पर्वत ऊँचा बनने के लिए किससे कह रहा है?

लिखित कार्य........

1. दिए गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखो :

क. सागर की लहरें क्या कह रही हैं?

ख. धरती हमें क्या कह रही है?

ग. नभ हम से क्या कहता है?

घ. हमें प्रकृति से क्या सीख मिलती है?

2. सही उत्तर के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

क. ऊँचा बनने के लिए हमारे से कौन कह रहा है?

(i) सागर ☐ (ii) पर्वत ☐ (iii) तरंग ☐

ख. धैर्य न छोड़ने को कौन कहता है?

(i) बादल ☐ (ii) फूल ☐ (iii) धरती ☐

ग. 'ढक लो तुम सारा संसार'—कौन कहता है?

(i) पर्वत ☐ (ii) नभ ☐ (iii) सागर ☐

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

समझ रहे हो ....,   भर लो, ... में,
.... तरल तरंग।   .... उमंग।

4. सप्रसंग भावार्थ लिखो :

धरती कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।

नभ कहता है फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

भाषा की बात........

1. समझो और करो :

शीश > ...शी... + ...श...
सागर > .... + ... + ...
तरल > .... + ... + ...
धरती > .... + ... + ...

2. समान तुक वाले शब्द लिखो :

तरल — .... | सागर — .... | मन — ....
सिर — .... | सारा — .... | भार — ....

3. तीन-तीन समानार्थी शब्द लिखो :

पर्वत — ....
सागर — ....
धरती — ....
नभ — ....

विचार-कौशल........

❖ 'प्रकृति से छेड़छाड़ करना मृत्यु को बुलाना है'—इस कथन पर अपने विचार अभ्यास-पुस्तिका में लिखो।

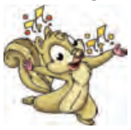

रचनात्मक कार्य........

❖ किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र काटकर ड्राइंग शीट पर चिपकाओ और उस पर बाल सभा में चर्चा करो।